भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर(2020-21)

कक्षा-दसवीं (२०२०-२०२१)	**विभाग**: हिंदी	**Date – 10-06-2020**
कार्य-पत्रिका संख्या: 6 – उत्तर	**विषय: अर्थग्रहण (गद्यांश) – उत्तर**	**Note: Pl. file in portfolio**

नाम: _____अनुभाग: _____अनुक्रमांक: _____दिनांक: _____

खंड–क (अपठित बोध)

1.निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों में से चुनिए: 1×6=6

"आज का बालक कल का नेता होगा" – यह उक्ति सत्य है। प्रत्येक देश की उन्नति का प्रमुख भार उसके नवयुवकों पर होता है। यदि कहा जाए कि देश का भार युवकों के सबल कंधे ही उठा सकते हैं, तो अत्युक्ति न होगी। देशभक्त नवयुवक ही देश रूपी नाव के कर्णधार होते हैं। उनमें शारीरिक, मानसिक और आत्मिक शक्ति अधिक होती है। वे प्रत्येक उत्तरदायित्व को सँभालने के योग्य होते हैं। बालक और वृद्ध उस प्रकार के उत्तरदायित्व को निभाने के योग्य नहीं होते, क्योंकि बालक तो अनुभवशून्य होते हैं और वृद्धों की शक्तियाँ क्षीण होती हैं। युवकों में साहस होता है, शारीरिक बल होता है, कार्यक्षमता होती है। इन्हीं शक्तियों के बल पर देश की व्यवस्था तथा शासन अच्छी प्रकार से संचालित होते हैं। अतः देश के उत्थान की सर्वाधिक क्षमता और शक्ति देश के युवकों में ही होती है।

युवक ही आक्रमणकारियों से देश की रक्षा कर सकते हैं। जब भी देश पर विदेशी आक्रमण हुए, विपत्तियों के बादल मँडराए, नवयुवक ही आगे बढ़े और आत्म-बलिदान करके देश की रक्षा की। उनका तन-मन-धन सब देश के लिए होता है। देशभक्ति से ओतप्रोत होकर वे देश के लिए ही जीते-मरते हैं। इस देश का इतिहास भी इस बात का साक्षी है कि देश के उत्थान और पतन में युवकों का भारी हाथ रहा है।

किसी देश के मकानों, खेतों, पहाड़ों, नदियों या नगरों के समूह को 'देश' नहीं कहते बल्कि 'देश' शब्द का प्रयोग देशवासियों के लिए होता है। देश के उत्थान का अर्थ है – देशवासियों का उत्थान। इस देश के देशवासियों के उत्थान के लिए नवयुवकों का प्रथम कर्तव्य है – शिक्षा का प्रसार। जिस देश के निवासी अशिक्षित हैं, उस देश की उन्नति की आशा कैसी ? अतः नवयुवकों का कर्तव्य है कि पहले वे देश से निरक्षरता मिटाने के लिए भरसक प्रयत्न करें।

देश में भिन्न-भिन्न संप्रदायों के लोग निवास करते हैं। एक संप्रदाय दूसरे के विरुद्ध विष उगलता रहता है। यह प्रवृत्ति देश के लिए अत्यंत घातक है। नवयुवकों को सांप्रदायिकता से ऊपर उठकर 'रहो और रहने दो, जीओ और जीने दो' के सिद्धांत का प्रचार करना चाहिए। प्रत्येक जाति तथा संप्रदाय के नवयुवकों को यह तथ्य हृदयंगम कर लेना चाहिए कि सबसे पहले वे भारतवासी हैं और सब कुछ इसके पीछे। यही तथ्य उन्हें सबको समझाना चाहिए।

1. प्रत्येक देश की उन्नति का भार किस पर होता है ?

D. देश के नवयुवकों पर

2. देश का उत्तरदायित्व सँभालने के लिए किस-किस चीज़ की आवश्यकता होती है ?

D. शारीरिक, मानसिक और आत्मिक बल की

3. 'देश' शब्द का प्रयोग किसके लिए होता है ?

A. देशवासियों के लिए

4. देश के उत्थान के लिए सबसे पहले किस चीज़ की आवश्यकता है ?

D. शिक्षा के प्रसार की

5. देश के लिए कौन-सी प्रवृत्ति घातक है ?

B. विभिन्न संप्रदायों में शत्रुता के भाव की

6. नवयुवकों को किस सिद्धांत का प्रचार करना चाहिए ?

C. 'रहो और रहने दो, जीओ और जीने दो'